an>

Title: The Speaker made reference to the passing away of Shri Gurcharan Singh Galib, member, 10th and 13th Lok Sabhas; Shri Lakshman Mallick, member, 7th & 8th Lok Sabhas and Shri Rambadan, member, 10th Lok Sabha. She further made reference to the loss of lives of more than 170 persons in the devastating floods in North Eastern States. She also made reference to the 6th anniversary of the terrorist attack in Mumbai.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को तीन भूतपूर्व सदस्यों श्री गुरचरण सिंह गालिब, श्री लक्ष्मण मलिक और श्री रामबदन के दुखद निधन के बारे में सूचित करना है।

श्री गुरचरण सिंह गालिब पंजाब के लुधियाना संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से दसवीं और तेरहवीं लोक सभा के सदस्य थे। वह दसवीं लोक सभा के दौरान गृह कार्य संबंधी समिति के सदस्य और तेरहवीं लोक सभा के दौरान विदेशी मामलों संबंधी समिति के सदस्य थे। इससे पूर्व श्री गालिब पंजाब विधान सभा के सदस्य थे। एक सक्रिय सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में श्री गालिब ने जिला परिषद, लुधियाना के उपाध्यक्ष और पंचायत समिति, सिद्धवनबेट, लुधियाना के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

श्री गुरचरण सिंह गालिब का 18 अक्टूबर, 2014 को 81 वर्ष की आयु में पंजाब के लुधियाना में निधन हो गया।

श्री लक्ष्मण मलिक ओडिशा के जगतसिंहपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से सातवीं और आठवीं लोक सभा के सदस्य थे। वह सातवीं लोक सभा के दौरान सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति के सदस्य थे। श्री मलिक चार बार ओडिशा विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होंने ओडिशा सरकार में निर्माण और परिवहन, उत्पाद शुल्क, कृषि, सहकारिता और ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में भी कार्य किया। श्री मलिक ने समाज के पिछड़े वर्गों को शिक्षित करने में सक्रिय योगदान दिया और समाज में उपेक्षित लोगों के उत्थान के लिए कार्य किया।

श्री लक्ष्मण मलिक का 19 अक्टूबर, 2014 को 87 वर्ष की आयु में भुवनेश्वर, ओडिशा में निधन हो गया।

श्री रामबदन दसवीं लोक सभा में उत्तर प्रदेश के लालगंज संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य थे। वे दसवीं लोक सभा के दौरान मानव संसाधन विकास समिति के सदस्य थे। श्री रामबदन वर्ष 1984 से 1989 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में श्री रामबदन ने समाज के पददलित और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए अथक कार्य किया।

श्री रामबदन का निधन 20 नवम्बर, 2014 को 71 वर्ष की आयु में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुआ।

हम अपने सहयोगियों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि सभा शोक संतप्त परिवारों को हमारी संवेदना व्यक्त करने में मेरे साथ है।

माननीय सदस्यगण, पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में आई विनाशकारी बाढ़ में 170 से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। इस बाढ़ से पूर्वोत्तर क्षेत्र के हजारों लोगों के प्रभावित होने के साथ-साथ सड़क, अवसंरचना, नदी तटबंधों और कृषि भूमि को व्यापक क्षति हुई।

सभा इस प्राकृतिक आपदा, जिससे मृतकों के परिवारों को अत्यधिक पीड़ा और दुख-दर्द सहना पड़ा, पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी जानते हैं, मुम्बई में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की आज छठी बरसी है, जिसमें कई भारतीय और विदेशी नागरिकों की जान गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

इस अमानवीय आतंकवादी हमले के एक वर्ष बाद नवम्बर, 2009 में इसी दिन सभा ने आतंकवादी ताकतों का एकजुट होकर मुकाबला करने और उन्हें पराजित करने का संकल्प किया था। आज, हम पूरे विश्व में आतंकवाद के सभी रूपों का उन्मूलन करने की दिशा में काम करने की अपनी शपथ और वचनबद्धता को दोहराते हैं।

यह सभा अपने उन बहादुर सुरक्षा कर्मियों की सराहना करती है, जिन्होंने आतंकवादियों को पराजित करने में असाधारण साहस का प्रदर्शन किया और सभा इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के शिकार व्यक्तियों के परिवारों और संबंधियों के साथ एकजुटता व्यक्त करती है।

अब सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़ी रहे।

11.06 hrs.

The Members then stood in silence for short while.